



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

स. 165] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 22, 1990/चैत्र 1 1912

No. 165] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 22, 1990/CHAITRA 1, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मार्च, 1990

(वाणिज्यिक नौवहन)

का.आ. 248 (अ) :—वाणिज्यिक नौवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44)  
की धारा 435 (ग) के द्वितीय परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र  
सरकार एतद्वारा 31 अगस्त, 1990 तक की अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट

करती है जिसमें प्रत्येक भारतीय फिशिंग बोट को, गैर-पंजीकृत पाल पोत को छोड़कर, जो उक्त अधिनियम के भाग-V अथवा भाग XV- अथवा भारत में उस समय प्रभावी किसी अन्य कानून के अंतर्गत पंजीकृत है, उक्त अधिनियम के भाग-15-क के तहत पंजीकृत किया जाएगा।

[सं. एस आर-13020/9/89-एस-ए]

एस. एन. कक्कर, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd March, 1990

### (MERCHANT SHIPPING)

S.O. 248 (E).— In exercise of the powers conferred by the second proviso to section 155C of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby specifies a period upto the 31st day of August, 1990 as the period upto which every Indian fishing boat, other than a non-mechanised sailing vessel, registered under Part V or Part XV of the said Act or any other law for the time being in force in India shall be registered under Part XVA of the said Act.

[No. SR-13020/9/89-MA]

S. N. KAKAR, Jt. Secy.